Roll No. .....
Printed Pages : 3

05

BAE/ A-18

SANSKRIT COMPUSLORY

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 80*

नोटः- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिएः- 8×2=16

(i) 'बिभिषणस्य विलापः' पाठ के मूल ग्रन्थ का नाम लिखें।

(ii) 'नीतिशतक' के लेखक का नाम लिखिए।

(iii) 'पंचतन्त्र' किसकी रचना है।

(iv) 'स्थितप्रज्ञः' पाठ श्रीमद्भगवद्गीता के किस अध्याय से संकलित है?

(v) 'विद्वांसः' पद में कौन सी विभक्ति तथा वचन है?

(vi) 'अस्' धातु, लृट लकार, प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप लिखें।

(vii) 'उज्ज्वल' का सन्धि विच्छेद करें।

(viii) 'अलम्' के योग में किस विभक्ति का प्रयोग होता है।

2. निम्नलिखित में से दो श्लोकों का सरलार्थ करें: 2×8=16

(i) बलमसि बलं मयि धेहि, ओजोऽस्योजो मयि धोहि।
मन्युरसि मन्युं मयि धेहि, सहोऽसि सहोमयि धेहि।।

(ii) यथा वै भरतो मान्यस्तथा भूयोऽपि राघवः।
कौसल्यातोऽतिरिक्तं च मम शुश्रूषते बहु।।

(iii) नैकान्तविजयो युद्धे भूतपूर्वः कदाचन।
परैर्वा हन्यते वीरः परान् वा हन्ति संयुगे।।

(iv) या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी।
यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों का हिन्दी में सरलार्थ कीजिए:- 2×8=16

(i) साधुवेशः, प्रसाधितकेशः, मूर्ध-श्रोत्र-घ्राण-पाद तैलनित्यः, सुमुखो दुर्गेषु अभ्युपपत्ता, दाता अतिथीनां पूजकः, पितृभ्यः पिण्डदः, काले हितमितमधुरार्थवादी, वश्यात्मा, हेतावीर्षुः, फले नेर्षुः, निश्चिन्तो, निर्भीको, धीमान, हीमान, महोत्साही, दक्षः, श्रमावान, आस्तिको, धार्मिकः, छत्री, दण्डी, मौली, सोपान्तको, युगमात्रदिग्विचरेत्, मङ्गलाचारशीलः, सर्वप्राणिषु बन्धुभूतः स्यात्।

(ii) कदाचित वर्षासु अपि वृष्टेरभावात्तृषार्तो गजयूथः यूथपतिमाह- 'नाथ, कोऽभ्युपायोऽस्माकं जीवनाय? नास्ति श्रुद्रजन्तूनामपि निमज्जनस्थानम्। वयं च निमज्जनस्थानाभावान्मृताः अन्धा इव, किं कुर्मः? क्व यामः? ततो हस्तिराजः नातिदूरं गत्वा निर्मलहृदं दर्शितवान।

(iii) अस्त्युज्जयिनी वर्त्मप्रान्तरे प्लक्षतरूः। तत्र हंसकाकौ निवसतः। कदाचित् ग्रीष्मसमये परिश्रान्तः कश्चित् पथिकस्तत्र तरुतले धनुष्काण्डं संनिध्याय सुप्तः। तत्र क्षणान्तरे तन्मुखाद् वृक्षच्छायाऽपगता। ततः सूर्यतेजसा तन्मुखं व्याप्तयवलोक्य, तद्वृक्षस्थितेन पुण्यशीलेन शुचिना राजहंसेन कृपया पक्षौ प्रस्यार्य पुनस्तन्मुखे छाया कृता।

(v) त्यक्ताश्चाभ्यन्तराः येन बाह्याश्चाभ्यान्तरीकृताः।
स एवं मृत्युमाप्नोति यथा राजा ककुद्द्रुमः।।

4. (क) किन्हीं दो के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए: 2×4=8

(i) बालक - तृतीया, चतुर्थी

(ii) पितृ - प्रथमा, द्वितीया

(iii) लता- षष्ठी, सप्तमी

(iv) युष्मद् - प्रथमा, द्वितीया

(ख) किन्हीं दो के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए:- 2×4=8

(i) √गम् - लट् व लृट् लकार

(ii) √स्था - लोट् व विधिलिङ्ग लकार

(iii) √भू - लट् व लृट् लकार

(iv) √प्रच्छ् - लोट् व लङ् लकार

5. (क) किन्हीं चार का सन्धि अथवा सन्धि-विच्छेद करें:- 4×2=8

रमा + ईशः, दिक् + विजयः, गै + अकः,
सः + अपि, तथैव, परोपकारः, विद्यालयः, कवीन्द्रः

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं चार का संस्कृत में अनुवाद करें:- 4×2=8

(i) वह भोजन खाता है।

(ii) देव कलम से लिखता है।

(iii) मोर बाग में नाचते हैं।

(iv) गाँव के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(v) गणेश को नमस्कार।

(vi) पिता पुत्र के साथ विद्यालय जाता हैं

(vii) तुम प्रतिदन कहाँ जाते हो।

(viii) सोहन आँख से काना है।